प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

जैव सूचना प्रणाली विज्ञान पर कार्यशाला का उद्घाटन

पंतनगर। ११ अक्टूबर, २०१७। पंतनगर विश्वविद्यालय के विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आज 'कृषि पशु चिकित्सा एवं बायोमेडिकल में अनुप्रयोगों हेतु प्रोटियोमिकी एवं केमो सूचना विज्ञान में हालिया प्रगति' विषय पर कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि, विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, थे। चार-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के आणविक जीव विज्ञान एवं आनुवंशिक अभियांत्रिकी विभाग के जैव सूचना केन्द्र द्वारा किया जा रहा है।

कुलपति, प्रो. ए. के. मिश्रा, ने अपने उद्घाटन संबोधन में कहा कि कृषि उत्पादकता में वृद्धि, जैविक-अजैविक तनाव, पोषण सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, आदि आधुनिक कृषि की प्रमुख समस्याऐं है, जिनका समाधान आधुनिक विज्ञान के द्वारा संभव है। प्रो. मिश्रा ने ओमिक्स विज्ञानों के माध्यम से पोषण एवं जैविक-अजैविक तनावों सम्बन्धी जटिल गुणों को निर्धारित करने वाले जटिल जीनों के नेटवर्क का पता लगाकर कृषि एवं पशु उत्पादकता बढ़ाई जा सकने की बात कही, जिसमें जैव सूचना विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के निदान के लिए जीनोम से लेकर मैटाबोलोम स्तर पर पौधों व पशुओं के जटिल गुणों को समझना अत्यंन्त आवश्यक है। कुलपति ने यह भी कहा कि प्रोटियोमिकी तथा रसायन सूचना विज्ञान से कृषि, पशुचिकित्सा व आयुर्विज्ञान सम्बन्धी जटिल समस्याओं का समाधान वर्तमान में सम्भव है।

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान की प्रमुख वैज्ञानिक, डा. शुभ्रा चक्रवर्ती, ने कहा कि प्रोटियोमिकी द्वारा किसी जीव के विशेष ऊतक या अंग में व्यक्त हजारों प्रोटीनों और उनसे सम्बन्धित जीनों का आसानी से पता लगाया जा सकता है, जिससे किसी विशेष गुण से संबंधित नेटवर्क का निर्माण कर उसकी आणविक क्रियाविधि को समझकर पौधों एवं पशुओं की गुणवत्ता को जैव प्रौद्यौगिकी के उपयोग से बढाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पादप व पशु स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य से सीधा सम्बन्ध है। प्रोटियोमिकी के उपयोग से इन तीनों के संबध को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकता है।

इससे पूर्व विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डा. ए.के. शुक्ला, ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय में चल रहें विभिन्न कार्यकलापों की जानकारी दी। उन्होनें कहा कि इस कार्यशाला से प्रतिभागियों को जैव विज्ञान की जटिल समस्याओं के निदान के लिए जैव सूचना प्रणाली विज्ञान के विभिन्न साफ्टवेयर और डाटाबेस को सीखने में मदद मिलेगी।

कार्यशाला समन्वक एवं विभागाध्यक्ष, डा. अनिल कुमार, ने कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को प्रोटियोमिक्स और कीमो सूचना विज्ञान के उपयोग से बायोमार्कर की पहचान करना, दवा के लक्ष्य का सत्यापन तथा जटिल जैविक प्रक्रियाओं की आणविक क्रियाविधि की पहचान करने की जानकारी प्राप्त करना बताया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में प्रतिभागियों को नियमित रूप से नवीनीकृत किये जाने वाले डाटाबेस तथा तकनीकों की जानकारी प्रदान की जा सकेगी।

इस अवसर पर डा. दिनेश पाण्डे, डा. गौहर ताज, डा. रीता गोयल, डा. जे.पी.एन. राय, डा. संजीव अग्रवाल सहित समस्त संकाय सदत्य एवं शोधार्थी उपस्थित थे।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मंचासीन प्रो. ए.के. मिश्रा, डा. शुभ्रा चक्रवर्ती एवं अन्य वैज्ञानिक।